CPL-02

June - Examination 2016

Certificate in Prakrit Language Examination

प्राकृत गद्य – पद्य

Paper - CPL-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2(दो) अंक निर्धारित हैं। कुल अंक 20 होंगे। (उत्तर सीमा अधिकतम 30 शब्द)

1) (i) लाट देश के लोगों का महावीर के साथ कैसा व्यवहार था?

(ii) दशवैकलिक के अनुसार धर्म का मूल क्या है?

(iii) शोरसेनी प्राकृत में रचित अष्ट पाहुड़ के रचनाकार कौन हैं?

(iv) राजा दशरथ ने राम को वन में भेजकर कौनसा मार्ग अपनाया?

(v) वज्जालग्गा के संकलन कवि कौन हैं?

(vi) उत्तराध्ययन के अनुसार अनाथ किसे कहते हैं?

(vii) प्राकृत साहित्य कितने भागों में वर्गीकृत किया गया हैं?

(viii) राजा श्रेणिक का भ्रम किसने दूर किया?

(ix) मुक्तक काव्य को परिभाषित कीजिये।

(x) कार्तिकेयानुप्रेक्षा के अनुसार किसका मनुष्यत्व निरर्थक है?

(खण्ड – ब) $4 \times 10 = 40$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सेक्शन B में 8 (आठ) लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी को कोई 4 (चार) प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। (उत्तर सीमा 200 शब्द अधिकतम)

2) निम्न गाथा का व्याकरणात्मक अनुवाद कीजिये –
जो पुण लच्छिं संचदि ण य यंजदि णेय देदि पत्तेसु।
सो अप्पाणं वंचदि मणुयत्तं णिष्फलं तस्स।।

3) निम्न गाथा का अर्थ लिखिये –
आउच्छिऊण सुहडे, सीयं युयावगूहियं काडं।
रामो उत्तरइ नइं, गम्भीरं लक्खणसमग्गो।

4) आचारांग के चयनित अंश के आधार पर महावीर के साधनामय जीवन पर प्रकाश डालिये।

5) दशवैकालिक का सामान्य परिचय करते हुये उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिये।

6) चरित्र काव्य को स्पष्ट करते हुये पडमचरिउ का परिचय दीजिये।

7) प्राकृत मुक्तक काव्य का स्वरूप एवं परम्परा को बनाते हुये वज्जालग्ग की विषय वस्तु लिखिये।

8) अष्ट पाहुड के विषय में लिखिये।

9) मेरुप्रम हाथी की कथा का वर्णन करिये।

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सेक्शन C में 4 (चार) दीर्घ प्रश्न होंगे। इनमें परीक्षार्थी को दो प्रश्न के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं (आन्तरिक चयन) (उत्तर सीमा अधिकतम 500 शब्द)

10) कर्तिकेयानुप्रेक्षा में वर्णित 12 भावनाओं का वर्णन कीजिये।

11) निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी अनुवाद करें –

एगंभि नयरे एगो अभंगलिओ युध्दो पुरिसो आसि। सो एरिसो अत्थि, जो को बि पमायंमि तस्य मुहं पासेह, सो मोयणं पि न लहेज्जा। पउरा वि पच्चूसे कया वि तस्स मुहं न पिक्खंनि। नखइणा वि अभंग लियपुरिसस्स वटा सुणिआ। परिक्खत्थं नरिंदेण एगया पयायकाले सो आहूओ, तस्स मुहं दिट्ठ। जया राया मोयणत्थमुवविसइ, कवलं च मुहे पक्खिवइ तथा महिलंमि नयरे अकम्हा परचक्कमएण हलबोलो जाओ। तया नरवइ वि भोयणं चिच्चा सहसा उत्थाय ससेण्णो नयरोसो बाहिं निग्गओ

12) कस्सेसा यज्जा कथा की कथागत विशेषता को बताते हुये कथा का सारांश लिखिये।

13) दशवैकालिक के चयनिन अंश के आधार पर जीवन मूल्यों पर विस्तार से वर्णन कीजिये।

———